



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 12]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 8, 2010/पौष 18, 1931

No. 12]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 8, 2010/PAUSA 18, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 2010

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कतिपय ग्लास फाइबर तथा उससे निर्मित वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत ।

फा. सं. 14/28/2009-डीजीएडी.—यतः मैसर्स ओवेन्स कॉर्निंग इण्डिया लिमिटेड-मुम्बई एवं मैसर्स ओ सी वी रीइन्फोर्समेंट मैनुफैक्चरिंग लिमिटेड, हैदराबाद (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने चीन जन. गण. (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर एवं उससे निर्मित वस्तुओं के कथित पाटन का आरोप लगाते हुए 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है और संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्कों के अधिरोपण हेतु पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया है ।

## 1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद ग्लास फाइबर तथा उससे निर्मित वस्तुएं हैं, जिनमें ग्लास रॉविंग, ग्लास चॉप्ड स्ट्रैंड, ग्लास चॉप्ड स्ट्रैंड मैट शामिल हैं । जिन वस्तुओं को विशेष रूप से विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा गया है वे ग्लास वूल, ग्लास यार्न, ग्लास से बुना कपड़ा तथा उस किस्म का चॉप स्ट्रैंड है, जिसे थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोग हेतु आम तौर पर पॉलीयूरीथेन अथवा एक्रिलिक इमल्शन से उपचारित किया गया हो ।

ग्लास फाइबर निर्मित वस्तुएं ग्लास के अत्यन्त महीन फाइबर से बनाई जाती हैं । ग्लास फाइबर निर्मित वस्तुएं अनिवार्यतः रीइन्फोर्समेंट सामग्री होती है। ग्लास फाइबर वस्तुओं के विभिन्न उपयोगों में धर्मल अवरोधन, विद्युतीय अवरोधन, विभिन्न प्रकार की सामग्री का रीइन्फोर्समेंट, टेन्ट पोल, ध्वनि अवशोषण, ऊष्मा एवं उखड़न रोधी कपड़ा, हाई स्टैन्थ कपड़ा, पोल वॉल्ट पोल, तीर, कमान तथा क्रॉसबो, अल्प पारदर्शी रूफिंग पैनल, आटोमोबाइल बॉडी, हॉकी स्टिक, सर्फ बोर्ड, बोट हल्स तथा पेपर हनीकॉम्ब शामिल हैं । सम्बद्ध वस्तुओं को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 70 के उपशीर्ष 7019 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि सीमा-शुल्क वर्गीकरण केवल सन्दर्भ के प्रयोजनार्थ है और यह वर्तमान जांच के दायरे पर बंधनकारी नहीं होगा ।

## 2. समान वस्तु

आवेदक ने दावा किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं और चीन जन गण से निर्यातित वस्तुओं के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, उत्पादन प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण आदि जैसे मानदण्डों के अनुसार तुलनीय हैं। उत्पाद के अनिवार्य गुणधर्मों की दृष्टि से घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं चीन जन. गण. से आयातित वस्तुओं से तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित वस्तुएं चीन जन. गण से आयातित वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं।

## 3. घरेलू उद्योग की स्थिति

यह आवेदन मेसर्स ओवेन्स कार्निंग इण्डिया लिमिटेड मुम्बई एवं मेसर्स ओ सी वी रिइन्फोर्समेंट मैनुफैक्चरिंग लिमिटेड - थिमापुर हैदराबाद ने संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया है। मेसर्स गोआ ग्लास फाइबर्स लिमिटेड ने आवेदन का समर्थन किया है। यह नोट किया जाता है कि ओवेन्स कार्निंग (इण्डिया) लिमिटेड एवं ओ सी वी रिइन्फोर्समेंट मैनुफैक्चरिंग लिमिटेड एक दूसरे से संबद्ध हैं और भारत से बाहर उनसे संबंधित अनेक कंपनियां हैं, जिनके पास विचाराधीन उत्पाद तथा अन्य किस्म के ग्लास फाइबर्स के उत्पादन हेतु विनिर्माण सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह नोट किया जाता है कि चीन जन गण में ऐसी संबंधित कंपनी ने जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की अत्यंत अल्प मात्रा (घरेलू उद्योग के उत्पादन के 0.05% से कम) का निर्यात किया है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि संबंधित कंपनी द्वारा निर्यातित मात्रा अत्यंत नगण्य है, प्राधिकारी निर्धारण करते हैं कि उपर्युक्त नियमावली के नियम 2 (ख) तथा नियम 5 के भीतर याचिकाकर्ता कंपनियों को वर्तमान याचिका दायर करने की पात्रता है।

भारत में विचाराधीन उत्पाद का कोई अन्य उत्पादक नहीं है। यह नोट किया जाता है कि (क) भारतीय उत्पादन में आवेदकों के उत्पादन का प्रमुख अनुपात है; (ख) घरेलू उत्पादकों ने आवेदन का स्पष्ट रूप से समर्थन किया है क्योंकि समान उत्पाद के कुल उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक का उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा किया जाता है; और (ग) आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से प्रस्तुत किया गया है।

रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना की जांच के उपरांत एवं नियम 2 (ख) के दायरे के अनुसार याचिकाकर्ताओं से संबद्ध कंपनियों द्वारा किए गए निर्यातों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निर्धारण करते हैं कि आवेदक उपर्युक्त नियमावली के नियम 2 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है और नियम 5 के अनुसार आवेदन, स्थिति संबंधी मानदण्ड को संतुष्ट करता है।

## 4. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन गण है।

## 5. सामान्य मूल्य

आवेदक ने दावा किया है कि चीन जन गण एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और उन्होंने प्रस्ताव किया है कि कोरिया गणराज्य को चीन जन गण का समुचित सहोदर देश माना जाना चाहिए। आवेदकों ने कोरिया गणराज्य के घरेलू बाजार में कीमतों से संबंधित सूचना



प्रस्तुत की है और कोरिया गणराज्य में प्रचलित कीमतों के अनुसार चीन जन गण में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। प्राधिकारी एतद्द्वारा अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसरण में चीन जन गण के सहोदर देश के रूप में कोरिया गणराज्य की उपयुक्तता के संबंध में सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं। उत्पाद की प्रत्येक किस्म के लिए अलग सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है और संबंधित उत्पाद हेतु औसत सामान्य मूल्य का निर्धारण भी किया गया है। याचिकाकर्ताओं द्वारा दावा किए गए सामान्य मूल्य के संबंध में प्रथमदृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध है।

#### 6. निर्यात कीमत

संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत का निर्धारण गौण स्रोतों से एकत्रित सौदेवार आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। कारखाना-द्वार निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए निर्यातक देश में समुद्री मालभाड़े, समुद्री बीमे, कमीशन तथा पत्तन प्रभारों से संबंधित समायोजन किए गए हैं। याचिकाकर्ताओं द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत के संबंध में प्रथमदृष्ट्या पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध है।

#### 7. पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना कारखाना-द्वार स्तर पर की गई है, जो संबद्ध देश से अत्यधिक पाटन मार्जिन को प्रदर्शित करती है। इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि चीन में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य कारखाना-द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है, जो प्रथमदृष्ट्या इंगित करता है कि चीन के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन भारतीय बाजार में किया जा रहा है।

#### 8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

आवेदक ने वास्तविक क्षति से संबंधित विभिन्न कारकों के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। इस सूचना के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि संबद्ध देशों से आयातों में जांच अवधि के दौरान निरपेक्ष रूप से तथा भारत में उत्पादन खपत के सापेक्ष वृद्धि हुई है। बाजार हिरसे में हुआ नुकसान, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आई अत्यधिक गिरावट, निवेश से आय तथा नकद लाभ में आई उल्लेखनीय गिरावट जैसे विभिन्न आर्थिक मानदण्ड मिलकर प्रथमदृष्टि इंगित करते हैं कि चीन जन गण से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

9. उपर्युक्त पैराग्राफों में किए गए विवेचन के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाया है कि चीन जन गण से सम्बद्ध वस्तुओं के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई क्षति और पाटन व क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है। अतः प्राधिकारी उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसरण में कथित पाटन तथा घरेलू उद्योग को इसके परिणामस्वरूप हुई क्षति की जाँच करने एवं कथित पाटन के अस्तित्व, सीमा तथा प्रभाव का निर्धारण करने और सीमाशुल्क की वह राशि संस्तुत करने, जिसे यदि अधिरोपित किया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए एतद्द्वारा जांच की शुरुआत करते हैं।

#### 10. जांच अवधि (पी ओ आई)

वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि अप्रैल 2008 से सितम्बर, 2009 (18 माह) है। तथापि क्षति की जांच की अवधि में 2005-06, 2006-07, 2007-08 तथा जांच अवधि करे शामिल किया जाएगा।

11. संबद्ध ज्ञात निर्यातकों, दूतावासों के माध्यम से उनकी सरकारों तथा भारत में इस जांच से संबंधित ज्ञात आयातकों एवं घरेलू उद्योग को संगत सूचना निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से प्रस्तुत करने और अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नलिखित पते पर अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है:-

**निर्दिष्ट प्राधिकारी**

**वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय**

**वाणिज्य विभाग**

**पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय**

**कमरा सं. 240 ए, उद्योग भवन**

**नई दिल्ली-110107**

उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी जांचाधीन वस्तु के औद्योगिक प्रयोक्ताओं को तथा प्रतिनिधिक उपभोक्ता संगठनों, जो पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंधी जांच से संगत सूचना उपलब्ध करा सकते हैं, को भी अवसर प्रदान कर रहे हैं। अन्य कोई हितबद्ध पक्षकार भी नीचे दी गई समय-सीमा के भीतर जांच से संगत सूचना प्रस्तुत कर सकता है।

#### **12. समय-सीमा**

वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर सूचना देनी होगी। जहां तक इस अधिसूचना के पैरा 5 में किए गए उल्लेख के अनुसार चीन जन गण हेतु कोरिया गणराज्य को एक सहोदर देश मानने की उपयुक्तता पर टिप्पणियां भेजने का संबंध है, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अपनी टिप्पणियां इस अधिसूचना की तारीख से 14 दिनों के भीतर भिजवाई जानी अपेक्षित है।

#### **13. सूचना प्रस्तुत करना**

नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षों द्वारा प्राधिकारी को प्रदत्त किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है और यदि ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्ष की राय में यदि सूचना का संक्षिप्तिकरण संभव नहीं है तो उसके कारणों का विवरण प्रदान किया जाना अपेक्षित है।

#### **14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण**

नियम 6(7) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा एक सार्वजनिक फाइल रखी जाती है। कोई भी हितबद्ध पक्ष सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है अथवा उचित समय के भीतर इसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता या जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी



**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

**INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th January, 2010

**Sub : Initiation of Anti-Dumping Investigation concerning imports of certain glass fibre and articles thereof, originating in or exported from the China PR.**

**F. No. 14/28/2009-DGAD.**—Whereas M/s. Owens Corning India Limited-Mumbai and M/s. OCV Reinforcement Manufacturing Limited, Hyderabad (hereinafter referred to as applicants) have filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the Rules), alleging dumping of Glass fibre and articles thereof, originating in or exported from the China PR (hereinafter referred to as "subject country") and requested for initiation of Anti-Dumping investigations for levy of anti-dumping duties on the subject goods.

**1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

Product under consideration in the present petition is Glass fibre and articles thereof, including glass rovings, glass chopped strands, glass chopped strands mats. Specifically excluded from the scope of the product under consideration are glass wool, glass yarn, glass woven fabrics and chopped strands of a kind generally treated with polyurethane or acrylic emulsion meant for thermoplastic applications.

Glass fibre articles are made from extremely fine fibres of glass. Glass fibre articles are essentially a reinforcement material. Various uses for glass fibre articles include thermal insulation, electrical insulation, reinforcement of various materials, tent poles, sound absorption, heat and corrosion resistant fabrics, high strength fabrics, pole vault poles, arrows, bows and crossbows, translucent roofing panels, automobile bodies, hockey sticks, surfboards, boat hulls, and paper honeycomb. The subject goods is classified under chapter 70 of the Customs Tariff Act at subheading no. 7019. The customs classification is however, is for reference purpose only and will have no binding on the scope of the present investigation.

**2. LIKE ARTICLE**

The applicant has claimed that there are no known differences in subject goods produced by the petitioner and exported from China PR. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing,

9568/10-2

distribution & marketing and tariff classification, etc. The goods produced by the domestic industry are comparable to the imported goods from China PR in terms of essential product properties. The goods offered by the domestic industry are like article to the goods imported from China PR.

### 3. DOMESTIC INDUSTRY STANDING

The application has been jointly filed by M/s. Owens Corning (India) Limited, Mumbai and OCV Reinforcement manufacturing Limited, Thimmapur, Hyderabad. The application has been supported by M/s. Goa Glass Fibres Limited. It is noted that Owens Corning (India) Limited and OCV Reinforcement Manufacturing Limited are related to each other and have related entities in a number of countries outside India having manufacturing facilities for production of the product under consideration and other types of glass fibres. It is noted that such related company in China PR has exported very small volume (less than 0.05% of production by the domestic industry) of the product under consideration during the investigation period. The petitioners have claimed that these subject goods have been cleared after the investigation period. On the basis of information available on record, and considering that the volume of exports made by the related company are very insignificant, the Authority determines that the petitioner companies are eligible to file the present petition within the meaning of Rule 2(b) and Rule 5 of the Rules.

There is no other producer of product under consideration in India. It is noted that (a) production of the applicant constitutes a major proportion in Indian production; (b) domestic producers expressly supporting the application account for more than 50 percent of production of the like product produced by the domestic industry; and (c) the application has been made by or on behalf of the domestic industry. The Authority after examining the information on record, and having considered the fact of exports by petitioners' related entities in the light of scope of Rule 2(b), determines that the applicant constitutes domestic Industry within the meaning of the Rule 2 and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

### 4. COUNTRY INVOLVED

The country involved in the present investigation is China PR.

### 5. NORMAL VALUE

The applicant have claimed that China PR is a non market economy and proposed that Korea RP should be considered as appropriate surrogate country for China PR. The applicants have furnished information relating to prices in domestic market in Korea RP and determined normal value in China as per prices prevailing in Korea RP. The Authority hereby invites comments from all interested parties in accordance to para 7 of Annexure I about appropriateness of Korea RP as surrogate country for China PR. Separate normal value is determined for each type of the product and average normal value is also determined for the product concern as a whole. There is sufficient prima facie evidence with regard to normal value claimed by the petitioners.



## 6. EXPORT PRICE

Export price of the subject goods from the subject countries has been determined by considering transaction-wise import data collected from Secondary Sources. Adjustments have been made on account of ocean freight, marine insurance, commission, and port expenses etc. in the exporting country to arrive at ex-factory export price. There is sufficient prima facie evidence with regard to export price claimed by the petitioners.

## 7. DUMPING MARGIN

Normal value and export price have been compared at ex-factory level, which shows significant dumping margin in respect of the subject country. There is sufficient evidence that the normal value of the subject goods in China is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from China into the Indian market.

## 8. INJURY AND CAUSAL LINK

The applicant has furnished information on various parameters relating to material injury. Analysis of the information shows that imports from subject country have increased in the period of investigation in absolute term as also in relation to production and consumption in India. Various economic parameters like the loss in market share, significant decline in the profitability of the domestic industry, significant deterioration in return on investment and cash profit, prima facie, indicate collectively and cumulatively that the domestic industry have suffered material injury on account of dumped imports of subject goods from China PR.

## 9. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the China PR, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exist. The Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

## 10. PERIOD OF INVESTIGATION (POI)

The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is April 2008 - Sept 2009 (18 months). The injury investigation period will, however, cover the period 2005-06, 2006-07, 2007-08 and the POI.

## 11. SUBMISSION OF INFORMATION

The exporters in the subject country, Governments through the Embassies, the importers in India known to be concerned with this investigation and the domestic industry are being

addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address:

The Designated Authority  
Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties,  
Ministry of Commerce & Industry,  
Department of Commerce,  
Government of India,  
Room No. 243, Udyog Bhavan,  
New Delhi - 110011.

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation and to representative consumer organizations, who can furnish information relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

#### 12. TIME LIMIT

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. With regard to sending the comments on the appropriateness of Korea RP as surrogate country for China PR as mentioned in para 5 of this notification, the interested parties are required to send the comments within 14 days from the date of notification.

#### 13. SUBMISSION OF INFORMATION

In terms of Rule 6(7) of the Rules, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record findings on the basis of facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

#### 14. INSPECTION OF PUBLIC FILE

In terms of Rule 6(7), the Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by interested parties.

P.K. CHAUDHERY, Designated Authority